

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय - १

रविवार, ४ मार्च, २०१२

समय : सुबह ९.०० से ११.१५

कुल गुण : ७५



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक महिना वर्ष

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	

विभाग-१, कुल गुण (३३)

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	

विभाग-२, कुल गुण (३२)

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१३ (१०)	

विभाग-३, कुल गुण

मोडरेशन विभाग भाटे ४

गुण शब्दोंमां
चेकर - नाम

परीक्षार्थियों को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।
२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।
३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।
४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।
५. बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
६. प्रश्न के गुण →

गुण : १	
---------	--

 ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह
७. परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।
९. परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थियों से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
१०. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्यूट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गिनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।
११. मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will **not** be considered valid.
6. Marks for Question →

1 Mark	
--------	--

 ← Space for Examiner to write marks
7. Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.

विभाग - १ : सहजानंद चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “उनका धर्मोपदेश हमारे किसी शास्त्रों की अपेक्षा उच्चतर है ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....
.....
.....

गुण : ३	
---------	--

२. “हम राज्य चलाने धरती पर नहीं आये हैं ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....
.....
.....

गुण : ३	
---------	--

३. “आप कितना गणित जानते हो ?”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....
.....
.....

गुण : ३	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. मूलुखाचर संपूर्ण व्यसनमुक्त हो गये ।

.....
.....
.....
.....
.....

गुण : २	
---------	--

२. श्रीजीमहाराज ने कहा “हमने स्वयं शिक्षापत्री लिखी और उस ग्रंथ का आदेश मान्य नहीं रखा ।”

.....
.....
.....
.....
.....

गुण : २	
---------	--

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३	प्र-४	प्र-५
----------------------------------	-------------	-------	-------

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. मगनीराम को दीक्षा प्रदान कर क्या नाम रखा गया ?

गुण : १

२. परीक्षा में पार उतरे तब सुन्दरजी बड़ई क्या बोले ?

गुण : १

३. वेदान्ताचार्य का गर्व चूर चूर क्यों हो गया ?

गुण : १

४. श्रीजीमहाराज ने किस को जड़भरत कहा ?

गुण : १

५. श्रीजीमहाराज ने माणकी को किसका अवतार कहा है ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. संवत् १८६९ के वर्ष में अकाल

गुण : २

(१) जीजीबा को लक्ष्मीजी ने दर्शन दिए ।

(२) महाराज आज सोरठ में हैं ।

(३) मैं सेवा के लिए उनके पीछे-पीछे जाऊँगी ।

(४) आप इन दिनों गुप्तवास में रहिएगा ।

२. शिशुवत्सल प्रभु

गुण : २

(१) महाराज के नाखुन प्रसादी के रूप में मुझे देना ।

(२) बेटा, क्यों रो रहा है ?

(३) कैंची से नाखुन काट कर दिये ।

(४) लड़का खुशी खुशी घर की ओर चला गया ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ४)

१. आदि शब्द में अपना समावेश मानकर साधु बन गये थे ।

गुण : १	
---------	--

२. श्रीजीमहाराज साध्य है ।

गुण : १	
---------	--

३. अब जो हों वे मेरे पास आकर बैठें ।

गुण : १	
---------	--

४. श्रीजीमहाराज की से गढ़डा का बाजार खुल गया ।

गुण : १	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - २

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “मेरे लिए आपकी आज्ञा ही समैया (उत्सव समारोह) है ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

२. “दुर्वासा ने गोपियों द्वारा ले जाए गए सभी खाद्य पदार्थ स्वयं अकेले ही खा लिये थे ?”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

३. “अभी भी ऐसी इच्छा हो रही है कि सुनता ही रहूँ ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. कमलनयन शास्त्री को जूनागढ़ मन्दिर में शान्ति का अनुभव हुआ ।

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-९	प्र-१०	प्र-११
----------------------------------	-------------	--------	--------

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. दादाखाचर का दूसरा नाम क्या था ?

गुण : १

२. भक्तिमाता ने महिलाओं को दर्शन देकर क्या कहा ?

गुण : १

३. जागाभक्त किन तीन चीजों को देखने को मना करते थे ?

गुण : १

४. कृष्णजी अदा ने अन्त समय पर योगीजी महाराज को क्या कहा ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : दादाखाचर

१. दादाखाचर का जन्म वि.सं. १८४७ में हुआ था । २. इसकी माता का नाम सोमादेवी था । ३. दादाखाचरने उत्तर दिया, मैं जामनगर जाकर राजा की सेवा करूँगा । ४. दरबार नागपाल वरु की पुत्री जसुबा के साथ महाराज ने दादाखाचर का विवाह बड़ी धूमधाम से सम्पन्न करवाया । ५. उनकी प्रेमलक्षणा भक्ति के वश में होकर पूर्ण पुरुषोत्तमनारायण लगभग तीस वर्ष गढ़ड़ा दरबार में रहे । ६. दादाखाचर के पिता का नाम जीवाखाचर था । ७. मैं साधुओं के रहने के लिए अपना ओरड़ा देने को तैयार हूँ । ८. एक क्षण की भी देरी किये बिना दादाखाचरने अपनी दो बहनों के नाम में जर्मींदारी लिख दी । ९. दादाखाचर को तीन बहनें थी । १०. महाराज के मुख से ये शब्द निकल गये, दादा तो दादा ही है। ऐसा दूसरा और कोई नहीं हो सकता । ११. लाडुबा ने हमें सर्वस्व अर्पण कर दिया है । १२. दादाखाचर के दरबार में स्वामिनारायण और दादाखाचर की दो बहनें साथ रहते हैं ।

(१) केवल सही क्रमांक

गुण : ३

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

(२) यथार्थ घटनाक्रम

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

